Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing

Press Note

Dehradun 28 February, 2011:

The Governor of Uttarakhand Smt. Margaret Alva today visited traditional watermills (gharats) operated by voluntary organization Himalayan Environmental Studies & Conservation Organization (HESCO) in the Cantt. area here, and also toured the Hesco's Vigyan Gram (Science Village).

Taking stock of the different techniques developed by Hesco in cooperation with the Ministry of Science and Technology of the Government of India, the Governor said," It is important to provide employment to the rural youth, economically empower women and develop cottage industries on the basis of locally available material and incorporating modern technologies in the process involved.

The Governor viewed technical chulas (fire places), solar equipments, gharat watermills, fruit processing units and lantana utilization units developed by Hesco in village Shuklapur near Dehradun. The Governor also discussed issues such as self–employment and income raising with trained women members of Women Initiative for Self Employment (Wise) group, garbage pickers and the Wise Bank.

The Governor inspired the women to mobilize more women members and help in their economic empowerment.

On the occasion, the Governor also praised the different products prepared by women such as biscuits made of gharat flour and pickles etc. She also appreciated the process of marketing of these products through garbage pickers who give these products in exchange for garbage, instead of cash.

During the tour, the Governor also informed about her meeting with the Union Minister for Renewable Energy Sources last week, during which she held discussions with him on availing multi–pronged benefits from the traditional gharats through incorporation of modern technology in their functioning. In the initial phase, a work plan would be drawn up under the aegis of Hesco and the Petroleum University for identifying one hundred water mills ad developing these as multi–purpose utility models. She said that the chief objective of the today's visit was to conduct an on the spot assessment of the gharat technology so that these could be rejuvenated with input of modern technologies.

Those who were present on the occasion were Hesco's founder and Director Dr. Anil Joshi and his colleagues, ADC to the Governor Major PPR Choudhary, PS Shri R.S. Chauhan and a large number of local residents including women of self–help groups, among others.

————0————

देहरादून 28 फरवरी, 2011:–

उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने आज स्वयंसेवी संस्था **हैस्को (हिमालयन इन्वायरमेंट स्टडीज एण्ड कंजरवेशन आर्गनाइजेशन)** द्वारा गढ़ी कैंट में संचालित तकनीकी रूप से विकसित, परम्परागत घराटों का अवलोकन तथा हैस्को विज्ञान ग्राम शुक्लापुर का भ्रमण किया।

भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीक मंत्रालय के सहयोग से हैस्को द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों का अवलोकन करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को रोजगार देने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उनका आत्मसम्मान बढ़ाने के लिए स्थानीय उत्पादों पर आधारित परम्परागत कुटीर उद्योगों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर विकसित किया जाना नितांत जरूरी है।

राज्यपाल ने हैस्को द्वारा भारत सरकार के सहयोग से शुक्लापुर गॉव में विकसित तकनीकी चूल्हों, सोलर उपकरणों, घराट पनचक्की, कबाड़ी संगठन द्वारा संचालित फल प्रसंस्करण इकाई लैन्टाना के प्रयोगों का अवलोकन किया। **वाइज** (वीमेन इनीशियेटिव फॉर सेल्फ इम्प्लायमेंट) समूह की महिलाओं, तथा **''वाइज''** बैंक से जुड़ी महिलाओं से मिलकर उनसे स्वरोजगार तथा आमदनी बढ़ाने के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों के विषय में वार्ता की।

राज्यपाल ने प्रशिक्षित महिलाओं को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने साथ अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने तथा आत्मसम्मान बढ़ाने में सहयोग करें।

राज्यपाल ने महिलाओं द्वारा तैयार किये गये घराट के आटे विस्कुट अचार आदि उत्पादों की सराहना की। स्थानीय उत्पादों से मूल्यवर्धित सामग्री के उत्पादन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने स्थानीय विनिमय प्रणाली का उल्लेख करते हुए इस बात की भी सराहना की कि कबाड़ी संगठन कबाड़ के बदले पैसे के स्थान पर समूह की महिलाओं द्वारा तैयार खाद्य सामग्री देकर अपने उत्पादों का विपणन कार्य भी कर रहे हैं।

विज्ञान को गॉव के बीच ले जाकर ग्रमीणों का जीवन स्तर सुधारने के विषय में चर्चा करते हुए राज्यपाल ने यह भी बताया कि विगत सप्ताह उन्होंने केन्द्रीय वैकल्पिक ऊर्जा मंत्री श्री फारूख अब्दुल्ला से भेंट कर राज्य में परम्परागत घराटों को तकनीकी रूप से परिष्कृत करके उनसे स्थानीय ग्रामीणों को बहुआयामी लाभ दिलाने के विषय में विस्तृत वार्ता की है। इसके लिए प्रथम चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 100 घराटों को चिन्हित कर उन्हें बहुपयोगी बनाने के लिए हैस्को, पैट्रोलियम यूनिवर्सिटी आदि के माध्यम से कार्य योजना प्रस्तुत की जायेगी। इन पायलट प्रोजेक्ट के घराटों के संचालन का पूरा व्यय भारत सरकार का वैकल्पिक ऊर्जा मंत्रालय ही उठायेगा। उन्होंने बताया कि आज के भ्रमण का मुख्य उद्देश्य घराट की तकनीक का अवलोकन ही था ताकि नई तकनीक अपनाकर परम्परा के प्रतीक घराटों को पुनर्जीवित किया जा सके।

राज्यपाल के भ्रमण के दौरान हैस्को के संस्थापक/निदेशक डा0 अनिल जोशी, उनके सहयोगी राज्यपाल के ए.डी.सी. मेजर चौधरी, निजी सचिव श्री चौहान सहित स्थानीय ग्रमीण तथा विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आदि उपस्थित थी।

––––––––––0––––––––––